www.evidyarthi.in

फिर से याद करें

1. सही जोड़े बनाएँ :

मनसब	मारवाड़
मंगोल	गर्वनर
सिसौदिया राजपूत	उज़बेग
राठौर राजपूत	मेवाड़
नूरजहाँ	पद
सूबेदार	जहाँगीर

कक्षा VII पाठ 4 मुग़ल साम्राज्य (NCERT)

www.evidyarthi.in

उत्तर

मनसब	–	पद
मंगोल	–	उजबेग
सिसौदिया राजपूत	–	मेवाड़
राठौर राजपूत	–	मारवाड़
नूरजहाँ	–	जहाँगीर
सूबेदार	–	गर्वनर

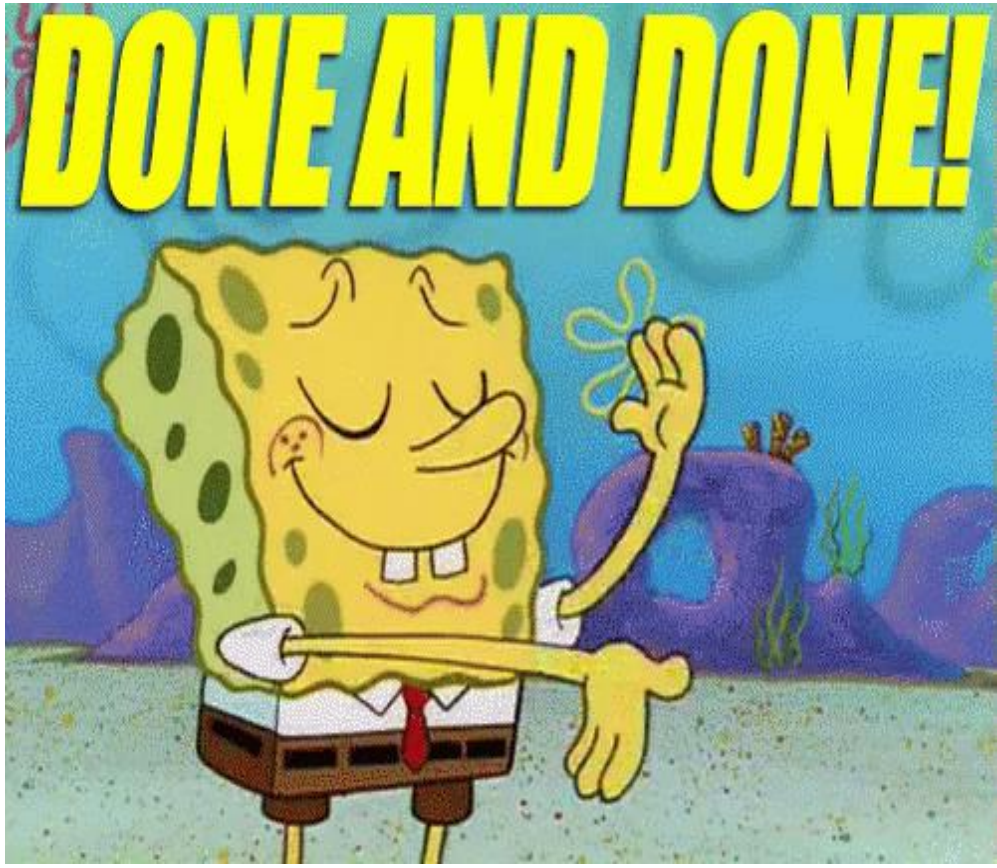

www.evidyarthi.in

प्रश्न 2. रिक्त स्थानों को भरें :

(क_____अकबर के सौतेले भाई, मिर्जा हाकिम के राज्य की राजधानी थी।

(ख) दक्कन की पाँचों सल्तनत बरार, खानदेश, अहमदनगर, _____ और _____ थीं।

(ग) यदि जात एक मनसबदार के पद और वेतन को द्योतक था, तो सवार _____ उसके _____ को दिखाता था।

कक्षा VII पाठ 4 मुग़ल साम्राज्य (NCERT)

www.evidyarthi.in

(घ) अकबर के दोस्त और सलाहकार, अबुल फ़जल ने उसकी _____ के विचार को गढ़ने में मदद की जिसके द्वारा वह विभिन्न धर्मों, संस्कृतियों और जातियों से बने समाज पर राज्य कर सका।

कक्षा VII पाठ 4 मुग़ल साम्राज्य (NCERT)

www.evidyarthi.in

प्रश्न 3. मुगल राज्य के अधीन आने वाले केंद्रीय प्रांत कौन-से थे?

उत्तर- पानीपत, लाहौर, दिल्ली, आगरा, मथुरा, अंबर, अजमेर, फतेहपुर सीकरी, चित्तौड़, रणथंभौर और इलाहाबाद।

www.evidyarthi.in

प्रश्न 4. मनसबदार और जागीर में क्या संबंध था?

उत्तर- मुगल सेवाओं में शामिल होने वाले मनसबदार संरक्षक थे। उन्हें उनका वेतन राजस्व असाइनमेंट के रूप में मिलता था। इसे जागीर कहा जाता था। मनसबदार वास्तव में अपनी जागीर में निवास या प्रशासन नहीं करते थे।

कक्षा VII पाठ 4 मुग़ल साम्राज्य (NCERT)

www.evidyarthi.in

किसानों की बस्तियों वाली भूमि

www.evidyarthi.in

उन्हें केवल अपने कार्य के राजस्व का अधिकार था। यह राजस्व उनके सेवकों द्वारा उनके लिए एकत्र किया जाता था, जबकि मनसबदार स्वयं देश के किसी अन्य भाग में सेवा करते थे।

कभी-कभी उन्हें भी सेवा करनी पड़ती है

www.evidyarthi.in

आइए समझे

प्रश्न 5. मुगल प्रशासन में जमींदार की क्या भूमिका थी?

उत्तर - जमींदार मुगल शासकों द्वारा नियुक्त शक्तिशाली स्थानीय सरदार थे। उन्होंने बहुत प्रभाव और शक्ति का प्रयोग किया। उन्होंने किसानों से कर वसूल किया और उन्हें मुगल सम्राट को दे दिया। इस प्रकार, उन्होंने बिचौलियों की भूमिका निभाई।

कक्षा VII पाठ 4 मुग़ल साम्राज्य (NCERT)

www.evidyarthi.in

कुछ क्षेत्रों में जमींदार अधिक शक्तिशाली हो गए। मुगल प्रशासकों के शोषण ने उन्हें विद्रोही बना दिया। मुगल सत्ता के खिलाफ विद्रोह करने में उन्हें किसानों का समर्थन मिला।

ग्रामीणों का समर्थन

www.evidyarthi.in

प्रश्न 6. शासन-प्रशासन संबंधी अकबर के विचारों के निर्माण में धार्मिक विद्वानों से होने वाली चर्चाएँ कितनी महत्त्वपूर्ण थीं?

उत्तर - विभिन्न धर्मों के लोगों के साथ अकबर की बातचीत ने उन्हें इस बात का एहसास कराया कि धार्मिक विद्वान जो कर्मकांड और हठधर्मिता पर जोर देते थे, वे अक्सर कट्टर थे। उनकी शिक्षाओं ने उनके विषय में विभाजन और वैमनस्य पैदा किया।

कक्षा VII पाठ 4 मुग़ल साम्राज्य (NCERT)

www.evidyarthi.in

हठधर्मिता
एक बयान या व्याख्या को इस उम्मीद के साथ आधिकारिक घोषित किया गया कि बिना किसी सवाल के इसका पालन किया जाएगा।

बिगोट
एक व्यक्ति जो दूसरे व्यक्ति की धार्मिक मान्यताओं या संस्कृति के प्रति असहिष्णु है।

www.evidyarthi.in

इसने अंततः अकबर को सुलह-ए-कुल या सार्वभौमिक शांति के विचार के लिए प्रेरित किया। उन्होंने निष्कर्ष निकाला कि सहिष्णुता के विचार का अत्यधिक महत्व था क्योंकि यह उनके क्षेत्र में विभिन्न धर्मों के लोगों के बीच भेदभाव नहीं करता था। इसके बजाय इसने नैतिकता की एक प्रणाली पर ध्यान केंद्रित किया यानी ईमानदारी, न्याय, शांति। ये सार्वभौमिक रूप से लागू होने वाले गुण थे। अंत में अकबर ने अबुल फजल की मदद से सुलह-ए-कुल के विचार के इर्द-गिर्द शासन की दृष्टि तैयार की।

www.evidyarthi.in

प्रश्न 7. मुगलों ने खुद को मंगोल की अपेक्षा तैमूर के वंशज होने पर क्यों बल दिया?

उत्तर - मुगल शासकों के दो महान वंशों के वंशज थे। अपनी माता की ओर से वे मंगोल कबीलों के शासक चंगेज खान के वंशज थे। अपने पिता की ओर से वे ईरान, इराक और आधुनिक तुर्की के शासक तैमूर के उत्तराधिकारी थे।

कक्षा VII पाठ 4 मुग़ल साम्राज्य (NCERT)

www.evidyarthi.in

तैमूर

चंगेज खान

www.evidyarthi.in

हालाँकि, मुगलों को मंगोल कहलाना पसंद नहीं था क्योंकि मंगोलों की विशेष रूप से चंगेज़ खान की स्मृति असंख्य लोगों के नरसंहार से जुड़ी थी। यह उज्बेग्स, उनके मंगोल प्रतियोगियों के साथ भी जुड़ा हुआ था। दूसरी ओर, मुगलों को अपने तैमूर वंश पर गर्व था, क्योंकि इसने इतिहास में अच्छा नाम हासिल किया।

www.evidyarthi.in

आइए विचार करें

प्रश्न 8. भू-राजस्व से प्राप्त होने वाली आय, मुगल साम्राज्य के स्थायित्व के लिए कहाँ तक जरूरी थी?

उत्तर - भू-राजस्व मुगल साम्राज्य की रीढ़ था। इसके बिना कुछ भी नहीं किया जा सकता था। राजा अपने सैनिकों का वेतन नहीं दे सकता था। न ही वह कोई कल्याणकारी कार्य कर सकता था।

www.evidyarthi.in

प्रश्न 9. मुगलों के लिए केवल तूरानी या ईरानी ही नहीं, बल्कि विभिन्न पृष्ठभूमि के मनसबदारों की नियुक्ति क्यों महत्त्वपूर्ण थी?

उत्तर - मुगल साम्राज्य का विस्तार विभिन्न क्षेत्रों में हुआ। इसलिए, लोगों को उनके साथ सहज बनाने के लिए मुगलों के लिए लोगों के विविध निकायों की भर्ती करना महत्वपूर्ण था। तुरानी और ईरानी के अलावा, अब भारतीय मुसलमानों, अफगानों, राजपूतों, मराठों और अन्य समूहों के मनसबदार थे।

कक्षा VII पाठ 4 मुग़ल साम्राज्य (NCERT)

www.evidyarthi.in

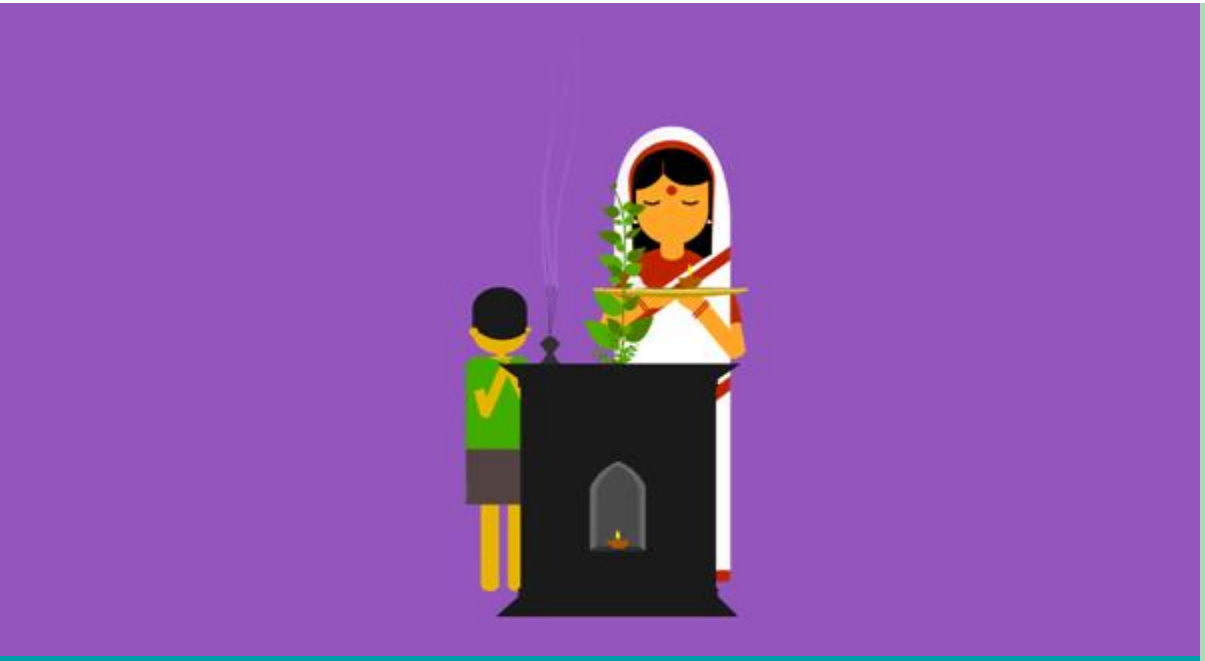

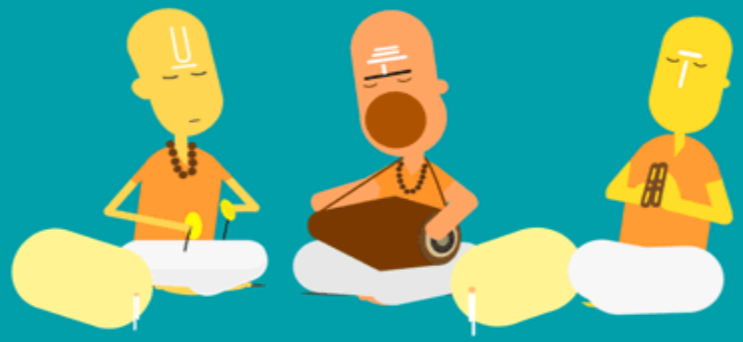

विविध पृष्ठभूमि के लोग

www.evidyarthi.in

प्रशासनिक व्यय इतना विशाल था और इसे इस राजस्व से ही पूरा किया जा सकता था। इसलिए, साम्राज्य को मजबूत करने के लिए राजस्व महत्वपूर्ण था।